3. अर्थग्रहण संबंधी एवं बहुवैकल्पिक प्रश्नोत्तर

नीचे लिखे गद्यांशों को पढ़िए और उनके नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1 केशव के घर कार्निस के ऊपर एक चिड़िया ने अंडे दिए थे। केशव और उसकी बहन श्यामा दोनों बड़े ध्यान से चिड़िया को वहाँ आते-जाते देखा करते। सवेरे दोनों आँखें मलते कार्निस के सामने पहुँच जाते और चिड़ा और चिड़िया दोनों को वहाँ बैठा पाते। उनको देखने में दोनों बच्चों को न मालूम क्या मज़ा मिलता, दूध और जलेबी की सुध भी न रहती थी। दोनों के दिल में तरह-तरह के सवाल उठते। *(पृष्ठ 13)*

प्रश्न–

(क) *कौन और क्यों कार्निस के सामने पहुँच जाते थे?*

(ख) *बच्चे कब कार्निस के सामने पहुँचते थे और उन्हें क्या दिखाई देता था?*

(ग) *दोनों को किसमें मज़ा आता था?*

उत्तर–(क) केशव और उसकी बहन श्यामा कार्निस के ऊपर पड़े अंडों को देखने के लिए वहाँ पहुँच जाते थे। ये अंडे एक चिड़िया ने उनके घर कार्निस के ऊपर दिए थे।

(ख) केशव और उसकी बहन प्रातः उठते और उठते ही आँखें मलते-मलते कार्निस के सामने पहुँच जाते। उन्हें वहाँ चिड़ा और चिड़िया बैठे दिखाई देते थे।

(ग) दोनों को चिड़ा और चिड़िया को देखने में बहुत मज़ा आता था। उन्हें देखने में उन्हें इतना आनंद आता था कि वे दूध और जलेबी खाना भी भूल जाते।

2 श्यामा–बच्चों को क्या खिलाएगी बेचारी?

केशव इस पेचीदा सवाल का जवाब कुछ न दे सकता था।

इस तरह तीन-चार दिन गुज़र गए। दोनों बच्चों की जिज्ञासा दिन-दिन बढ़ती जाती थी। अंडों को देखने के लिए वे अधीर हो उठते थे। उन्होंने अनुमान लगाया कि अब ज़रूर बच्चे निकल आए होंगे। बच्चों के चारे का सवाल अब उनके सामने आ खड़ा हुआ। चिड़िया बेचारी इतना दाना कहाँ पाएगी कि सारे बच्चों का पेट भरे! गरीब बच्चे भूख के मारे चूँ-चूँ करके मर जाएँगे। *(पृष्ठ 13-14)*

बहुवैकल्पिक प्रश्नोत्तर

1. *श्यामा ने केशव से क्या पूछा?*
   (क) चिड़िया के बच्चों के लिए खाने का क्या प्रबंध करें। (ख) चिड़िया के बच्चे कब बड़े होंगे।
   (ग) चिड़िया के बच्चे क्या खाना पसंद करेंगे। (घ) चिड़िया बच्चों को क्या खिलाएगी?
2. *बच्चों के मन में क्या जिज्ञासा थी?*
   (क) अंडों को देखने की
   (ख) चिड़िया को उड़ाने की
   (ग) चिड़िया के लिए सभी प्रबंध करने की
   (घ) चिड़िया के अंडों से बच्चे बनने की प्रक्रिया देखने की।
3. *बच्चों ने क्या अनुमान लगाया?*
   (क) बच्चे उड़ने योग्य हो गए होंगे। (ख) अंडों से बच्चे निकल आए होंगे।
   (ग) बच्चे दाना खा पाएँगे? (घ) बच्चों के खाने का प्रबंध अलग से करना होगा।

Scanned with CamScanner

4. *बच्चों को किस बात की चिंता थी?*

(क) चिड़िया इतना दाना नहीं ढूँढ़ पाएगी जिसमें वह अपने बच्चों का पेट भर सके।

(ख) चिड़िया के बच्चे मौसम की मार कैसे सहेंगे।

(ग) चिड़िया के बच्चे जिंदा रहेंगे या नहीं।

(घ) चिड़िया के बच्चे सँभालने की चिंता।

5. *चिड़िया के बच्चों को 'गरीब बच्चे' की संज्ञा क्यों दी गई है?*

(क) गरीब होने के कारण

(ख) उनके प्रति दयालुता के भाव से

(ग) उनके माता-पिता के गरीब होने के कारण

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर– 1. (घ) 2. (क) 3. (ख) 4. (क) 5. (ख)

3 गरमी के दिन थे। बाबू जी दफ़्तर गए हुए थे। अम्माँ दोनों बच्चों को कमरे में सुलाकर खुद सो गई थीं। लेकिन बच्चों की आँखों में आज नींद कहाँ? अम्माँ जी को बहलाने के लिए दोनों दम रोके, आँखें बंद किए, मौके का इंतज़ार कर रहे थे। ज्यों ही मालूम हुआ कि अम्माँ जी अच्छी तरह से सो गईं, दोनों चुपके से उठे और बहुत धीरे से दरवाज़े की सिटकनी खोलकर बाहर निकल आए। अंडों की हिफ़ाज़त की तैयारियाँ होने लगीं। *(पृष्ठ 15)*

प्रश्न–

(क) *अम्माँ ने क्या किया था?*

(ख) *बच्चों की आँखों में नींद क्यों नहीं थी?*

(ग) *अम्माँ जी के सो जाने के बाद बच्चों ने क्या किया?*

उत्तर–(क) गरमी के दिन थे। बच्चों के पिता भी घर पर नहीं थे। इसलिए अम्माँ ने बच्चों को कमरे में सुला दिया। उन्हें सुलाने के बाद वह भी सो गई।

(ख) बच्चे चिड़िया के अंडों की देखभाल करना चाहते थे। इस कारण उनकी आँखों में नींद नहीं थी। माँ ने बच्चों से भी सो जाने के लिए कहा था और स्वयं भी सो गई थी, पर बच्चे तो माँ के सो जाने का इंतज़ार कर रहे थे।

(ग) अम्माँ जी जब सो गईं, तो बच्चें चुपके से दरवाज़ा खोलकर बाहर आ गए। बाहर आकर उन्होंने अंडों की रक्षा करने की तैयारियाँ आरंभ कर दीं।

Scanned with CamScanner